प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **सितंबर / September 11, 2020**

राज्य में एमएसएमई पारितंत्र के विकास हेतु सिडबी का राजस्थान सरकार के साथ गठबंधन

SIDBI joins hands with Govt. of Rajasthan for the development of MSME ecosystem in the State

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), जो कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न एक प्रमुख वित्तीय संस्था है, ने राज्य में एमएसएमई पारितंत्र को विकसित करने के लिए राजस्थान सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित किया है। श्री परसादी लाल मीणा, कैबिनेट मंत्री, उद्योग एवं उद्यम, राजस्थान सरकार और श्री नरेश पाल गंगवार, आईएएस, प्रमुख सचिव, उद्योग और एमएसएमई, राजस्थान सरकार की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर श्रीमती अर्चना सिंह, आईएएस, उद्योग आयुक्त, राजस्थान सरकार और श्री बलबीर सिंह, महाप्रबंधक, सिडबी ने हस्ताक्षर किए।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), has entered a Memorandum of Understanding (MoU) with the Government of Rajasthan to develop the MSME ecosystem in the State. The MoU was signed by Smt. Archana Singh, IAS, Commissioner Industries, Government of Rajasthan and Shri Balbir Singh, General Manager, SIDBI in the presence of Shri Parsadi Lal Meena, Cabinet Minister for Industries and State Enterprises, Government of Rajasthan and Shri Naresh Pal Gangwar, IAS, Principal Secretary, Industries and MSME, Government of Rajasthan.

इस समझौते के तहत सिडबी द्वारा राजस्थान सरकार के साथ एक परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) स्थापित की जाएगी। पीएमयू की भूमिका ईक्विटी समर्थन, ब्याज सबवेंशन, दबावग्रस्त एमएसएमई इकाइयों के समाधान, एमएसएमई उद्यमियों को सहयोग करने और एमएसएमई इकाइयों की मौजूदा स्थिति के मूल्यांकन के आधार पर अन्य आवश्यकता-आधारित हस्तक्षेप को सुसाध्य बनाने की होगी।

Under the agreement, a Project Management Unit (PMU) will be deployed by SIDBI with Government of Rajasthan. The role of the PMU will be to design schemes / programs in the

areas of equity support, interest subvention, resolution of stressed MSMEs, supporting MSME entrepreneurs and facilitate other need-based intervention based on evaluation of the existing status of MSMEs.

इस अवसर पर सिडबी के उप-प्रबंध निदेशक श्री वी सत्य वेंकटराव ने कहा, "हमने पहले ही एमएसएमई के उत्थान के लिए विभिन्न रूपों में ज्यादा संकेंद्रित गठबंध के लिए राज्य सरकारों के साथ सहयोग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रयोगिक चरण में हमने 11 राज्यों अर्थात् असम, नई दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में पीएमयू स्थापित करने के लिए एक विशेषज्ञ एजेंसी की नियुक्ति की है। इसके द्वारा सिडबी, सूक्ष्म और लघु उद्यमों पर जोर देने के अलावा उद्यम पारितंत्र को मजबूत करने के लिए राज्य सरकारों के साथ घनिष्ठ सहयोग बनाने का इरादा रखता है। हमारे इस गठबंध का लक्ष्य अच्छी प्रथाओं का पालन करना, मौजूदा कार्यक्रमों और नीतियों को फिर से जीवंत करना और अधिक संवेदनशील पारितंत्र को सक्षम बनाना होगा।"

On this occasion, Shri V. Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director of SIDBI said, "We have already initiated the process of collaborating with State Governments for more focused engagement in various forms for the upliftment of MSMEs. We have appointed an expert agency for setting up PMUs in 11 states namely, Assam, New Delhi, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand, Gujarat, Maharashtra, Karnataka, Andhra Pradesh and Tamil Nadu in the pilot phase. With this SIDBI intends to cooperate closely with state governments to strengthen the enterprise ecosystem with thrust on Micro and Small enterprises. Imbibing good practices, rejuvenating existing programs and policies, and enable more responsive ecosystem shall be the target of our joining of hands."

श्री बलबीर सिंह, महाप्रबंधक, सिडबी ने कहा, "हम राजस्थान में एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए वचनबद्ध हैं। पीएमयू, योजनाओं, हस्तक्षेपों, पहलों, परियोजनाओं आदि के मौजूदा ढांचे का अध्ययन करेगी, जो वर्तमान में राज्य में एमएसएमई की ओर लक्षित व उनके लाभ के लिए उपलब्ध है और उसे प्रभावी बनाने और बाधाओं को दूर करने हेतु संशोधन का सुझाव देगी।"

Shri Balbir Singh, General Manager, SIDBI said, "We are set up to empower MSMEs in the State of Rajasthan. The PMU will study existing framework of schemes, interventions, initiatives, projects etc. which are currently available for the benefit of / targeted towards MSMEs in the State and shall suggest modifications, if any, with the objective of enhancing efficacy and removal of bottlenecks."

यह विकासात्मक पहल, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा एमएसएमई उद्यमों पर गठित यू.के. सिन्हा समिति की रिपोर्ट में दर्ज अपेक्षाओं से जुड़ी है। इससे एमएसएमई के संवर्द्धन और विकास के लिए राज्य सरकारों के साथ सिडबी की संकेंद्रित संलग्नता और बढ़ेगी। पीएमयू, राज्य में एमएसएमई उद्यमों को डिजिटल प्लेटफॉर्म, जैसे - पीएसबीलोन्सइन59मिनिट्स, स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होना, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म यथा सरकारी ई-मार्केटप्लेस आदि पर खुद की ऑनबोर्डिंग के लिए पथ-प्रदर्शन करने की प्रक्रिया भी तैयार करेगा। इसके अलावा पीएमयू, राज्य

के भीतर और बाहर दोनों स्थलों की अच्छी प्रथाओं और दिशानिर्देशों की मैपिंग कर भंडार बनाने में भी संलग्न होगा और राज्य में अच्छी प्रथाओं को अपनाए जाने को सुसाध्य बनाएगा। यह एमएसएमई के हितार्थ किए जा रहे हस्तक्षेपों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक ढांचा तैयार करेगा और नीतिगत अनुसमर्थन के लिए निविष्टियाँ भी प्रदान करेगा।

This developmental initiative is aligned to expectations laid down in UK Sinha Committee on MSMEs set up by RBI. It envisions more focused engagement of SIDBI with State Governments for MSME promotion & development. The PMU will also prepare the process for handholding MSMEs in the State for their onboarding onto digital platforms such as PSBLoansIn59Minutes, Stock Exchange listing, e-commerce platforms such as Government e-Marketplace etc. Along with that, the PMU will also engage in mapping repository of good practices and guidelines both within and outside the State and facilitate adoption of good practices. It will create a framework for evaluating impact of interventions being made for the benefit of MSMEs and shall also provide inputs for policy advocacy.

सिडबी के बारे में : 1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। चाहे वे पारंपरिक, छोटे घरेलू उद्यमी हों, पिरामिड के सबसे निचले स्तर के उद्यमी हों, या फिर उच्च-स्तरीय ज्ञान आधारित उद्यमी हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के जीवन को विभिन्न ऋणों तथा विकास कार्यों के माध्यम से प्रभावित किया है। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संलग्नकता की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानने के लिए, देखें : https://www.sidbi.in

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in

मीडिया संपर्क: नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: **+**91 8879760249, ई मेल: neelasrib@sidbi.in
Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in